VOL.8 | ISSUE-1 | JULY-DECEMBER 2017

Xavier Vista

Contents

- B.Ed. and M.Ed. Admissions 2017
- कोशिश ही सफलता की कुंजीः उन्मुखीकरण कार्यक्रम बी०एड०
- Seminar on Micro Teaching
- Freshers' Day 2017
- गांधी एक सैद्धांतिक व्यक्तित्वः अजय प्रताप सिंह
- अंतर–विद्यालय हिंदी वक्तव्य प्रतियोगिता 2017
- Memorial of late Fr. Jacob Muthuplackal
- शिक्षण अन्य सभी व्यवसायों की ओर ले जाता हैः शिक्षक दिवस
- Teachers are the Nation Builders: College Day
- Practice Teaching and Internship Ends
- SXCEAA द्वारा क्रिसमस का जश्न
- Christmas Jubilation at College

Academic Admission

For the current academic year 2017-19 B.Ed. admission forms were issued from 1st May to 30th May 2017. As the first step of selection process, the written entrance test was conducted on 15th June followed by interview and group discussions. The list of the selected candidates was displayed in the college notice board as well as well as uploaded in the college website on 22nd June. Admission procedure came to an end on 30th June 2017. The regular classes started off from July, 2017. The M.Ed. forms for the academic year 2017-2019 were available from 24th August to 13th September 2017. The written test was conducted on 15th September 2017 followed by the interview of the candidates for the admission. The procedure of admissions came to an end on the 27th September 2017. The regular classes for the M.Ed. students began on 5th October 2017.

कोशिश ही सफलता की कुंजीः उन्मुखीकरण कार्यक्रम

बी०एड० के 30वें शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ महाविद्यालय में 3 जुलाई को हुआ। इस सत्र 2017–2019 के भावी शिक्षकों के लिए दो दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 100 भावी शिक्षकों ने भाग लिया। उन्मुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ सर्व।धर्म प्रार्थना सभा से किया गया जिसमें पवित्र धर्मग्रन्थों से पाठ पढ़ा गया और समूचे राष्ट्र और इसकी विभिन्न जरूरतों के लिए प्रार्थना की गयी। डॉ० मधु सिंह ने हर प्रशिक्षुओं को विस्तृत पाठ्य विवरण और दैनिक समय सारणी दी। महाविद्यालय के रेक्टर फादर सेराफीम जॉन, महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ० थॉमस वर्गीस, डॉ० मधु सिंह ने परंपरागत दीप जला कर प्रार्थना का शुभारंभ किया। फादर रेक्टर सेराफीम जॉन ने महाविद्यालय का एक संक्षिप्त परिचय और पिछले 29 वर्षों की उपलब्धियों को बताया। उन्होंने संत फ्रांसिस जेवियर के नाम पर महाविद्यालय के नाम महत्व के बारे में भावी शिक्षकों को जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''निरंतर कोशिश करते रहें और सफलता की कुंजी खुद प्राप्त हो जाएगी।'' अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ० थॉमस वर्गीस ने सभी भावी शिक्षकों का स्वागत किया और इस महाविद्यालय में सफलता पूर्वक प्रवेश पाने की कामयाबी के लिए सबको बधाई दी। प्रधानाचार्य ने भावी शिक्षकों का आह्वान किया साथ ही साथ उन्हें रोज किताबें पढ़ने और लक्ष्य तक पहुँचने का हर अवसर प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सभी प्रशिक्षु बिहार एवं देश के लिए सक्षम, कुशल शिक्षक बनने का पूरा प्रयास करें। महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों ने अपने और द्वारा लिए जाने वाले विभिन्न विषयों और सहगामी कार्यक्रम की जानकारी दी। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में प्रधानाचार्य डॉ० थॉमस वर्गीस ने जेसुइट शिक्षा प्रणाली की विशेषताओं पर एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। भावी शिक्षकों को एक दूसरे से परिचित होने के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया जिसके माध्यम से उनका एक दूसरे के साथ विचार विमर्श हुआ और उन्हें एक दूसरे के बारे में जानने का मौका मिला। डॉ० निमिशा और सुश्री विजयश्री ने छात्रों को दस के समूहों में बांटा और उनकी उम्मीदों, भय और अपने भय और चिंता पर वे कैसे काबू पाएंगे पर चर्चा करने के लिए कहा और बाद में हर समूह में से एक–एक सदस्य ने अपनी चर्चा का सारांश प्रस्तुत किया। दूसरे दिन की शुरूआत प्रार्थना सभा से हुई। इसके बाद असिस्टेंट प्रोफेसर दीप कुमार ने ''भारत और बिहार के शैक्षिक परिदृश्य में शिक्षक की भूमिका'' का व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ० सुशील साह ने आत्म सम्मान पर एक भाषण दिया। फादर विक्टर ओस्ता, एस०जे०, ने सीखने की शैली के लिए व्यक्तिगत प्रश्नावली का उपयोग करते हुए उसके महत्व को समझाया तथा सभी छात्रों को सीखने की शैली के विभिन्न रूपों से अवगत कराया।

Seminar on Micro Teaching

The College organized a three day seminar on "Micro Teaching" for the first-year B.Ed. trainees from 17/07/2017 to 19/07/2017. Each day began with a meaningful prayer service conducted by the trainees. During these three days, the trainees came to know the different skills and techniques of teaching. The seminar began with the introduction to Microteaching by Dr. Madhu Singh. The topic 'Specific Objectives' was taken by Fr. Victor Osta, S.J., followed by the skill of "Set Induction" by Mrs. Sapna Suman. Later the trainees were grouped in their respective teaching methods to practice and apply the skills with their method teachers. The second day started with a session on "Bloom's Taxonomy" by Dr. Madhu Singh followed by the skill of "Questioning Techniques" by Dr. Thomas Varghese. Later in the afternoon, the students were sent into their teaching method groups to practice the skills under the supervision of their method teachers.

The final day began with the meaningful class assembly followed by the explanation of Stimulus Variation by Mrs. Sujata Kumari. The Skill of Reinforcement was presented by Mrs. Smita Paschal emphatically. The remaining sessions were conducted by Dr. Vikramjit Singh on "Audio Visual Aids" and the skill of "use of Black Board" by Dr. Nimisha Shrivastava. Mrs. Vijay Shree summarised the seminar with the skill of "Closure". Soon after lunch break, the first year trainees were sent to their method classes to observe the second year trainees how they used these skills in their classes.

Freshers' Day - 2017

The College organized the 'FRESHERS' DAY' for its 30th batch of B.Ed. trainees on Friday, 28/07/2017. For the first time the 2nd year trainees of B.Ed. the department welcomed the 1st year batch. The purpose of the programme was meant to welcome the newcomers and a forum to show their talents and abilities for their all-round development apart from regular studies. Both the batches ever since the beginning of the session came together for the first time came together as a team to exhibit their artistic skills. Fr. Seraphim John. S.J., Rector of the College, the Principal of the college, Dr. Thomas Varghese, Dr. Madhu Singh, the first year trainees Simran Agrawal and Prem Amrit lit the traditional lamp. Ish Vandana, Mangal Gaan, Kaanha So Ja Jara, Hi Junoon Sa Jeene Mein, Victory Over Evil, Mere Dholna, Be Free Attitude, Nach Dene Sare and Apni Jeet Ho were some of the items performed by the trainees. Fr. Seraphim John in his message urged the prospective teachers to participate in such events as these are the open platforms to overcome stage fear and helps to discover ones hidden talents within. Principal Dr. Thomas Varghese lauded the trainees for their efforts and advised them not to leave any stone unturned to develop themselves for their all round development.

गांधी एक सैद्धांतिक व्यक्तित्वः अजय प्रताप सिंह

महाविद्यालय ने 5 अगस्त 2017 (शनिवार) को चंपारण सत्याग्रह के शताब्दी समारोह के अवसर पर वर्तमान में ''महात्मा गांधी की शिक्षा में प्रासंगिकता'' पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय (एकेयू) के पूर्व रजिस्ट्रार, प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह मुख्य अतिथि थे। प्रथम और द्वितीय वर्ष बी०एड० के साथ एकेयू और मगध विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के प्रशिक्षुओं और संत जेवियर्स शिक्षा महाविद्यालय के द्वितीय वर्ष एम०एड० के प्रशिक्षुओ ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना सभा से की गयी जिसमे विभिन्न धर्मों के पवित्र ग्रंथों से पाठ पढ़ा गया और प्रार्थना नृत्य द्वारा समाप्त किया गया। अपने स्वागत भाषण में महविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ० थॉमस वर्गीस ने कहा कि गांधी लाखों भारतीयों के लिए आशा की राह थे। गांधी एक युग या उम्र के नहीं थे, वे मानवता और अनंत काल के हैं। महात्मा गांधी के शब्दों के उद्धरण से उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस बदलाव में शामिल होना चाहिए जिसे हम इस दुनिया में देखना चाहते हैं। एकेयू के पूर्व रजिस्ट्रार प्राफेसर अजय प्रताप सिंह ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि आज के तेज गति जीवन में जब एक आदमी मशीन बन गया है, तब गांधी की विचारधारा एक दवा की तरह है। अपने जीवन के माध्यम से गांधी जी ने हमें उदाहरण दिया कि सफलता बहुत दूर नहीं है, अगर हमारे पास मजबूत शक्ति है। इस चंपारण सत्यग्रह ने मोहनदास को महात्मा में बदल दिया। मुख्य भाषण के बाद संकाय सदस्य डॉ० निमीशा श्रीवास्तव ने अपने भाषण में गांधी जी के विभिन्न दर्शनों पर प्रकाश डाला। प्रथम वर्ष बी०एड० की प्रशिक्षु सिमरन अग्रवाल ने चंपारण में गांधी की यात्रा के प्रसंग प्रस्तुत किया। एम०एड० की प्रशिक्षु गीतांजलि कुमारी ने गांधी के गुणों के बारे में बताया। इस अवसर पर अंतर–महाविद्यालय पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दस विभिन्न कॉलेजों के प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसमें पटना वीमेंस कॉलेज की पूजा को प्रथम पुरस्कार, संत जेवियर्स की इंद्राणी मेहता को दूसरा तथा तीसरा पुरस्कार उज्ज्वल कुमार को मिला। ''वर्तमान शिक्षा में गांधी की प्रासंगिकता'' के विषय पर एक अंतर दलीय नाटक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसे छात्रों ने एक सप्ताह से भी कम समय के अभ्यास के साथ अच्छी तरह से प्रस्तुत किया। पहला पुरस्कार टैगोर हाउस ने जीता। इस दल ने 21वीं सदी और गांधीवादी दर्शन प्रस्तुत किया जबकि दूसरा स्थान जाकीर हाउस को मिला।गांधी और अरबिंदो ग्रुप तीसरे स्थान पर संयुक्त रूप से घोषित किए गए।

अंतर–विद्यालय हिंदी वक्तव्य प्रतियोगिता 2017

संत जेवियर्स शिक्षा महाविद्यालय एलुमिनाई एसोसिएशन द्वारा इंटर स्कूल हिंदी वक्तव्य प्रतियोगिता का आयोजन 9 अगस्त को किया गया। इस प्रतियोगिता को चार समूहों में बांटा गया और हर समूह में प्रत्येक स्कूल से केवल एक भागीदार थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप कुमार ने प्रार्थना द्वारा किया। डॉ० थॉमस वर्गीस, फादर सुशील बिलुंग, प्रो० प्रीति सिन्हा, सृष्टि और पुष्पा ने दीप जला कर कार्यक्रम की शरूआत की। फादर सेराफीम जॉन, एस०जे० इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि थे। 12 स्कूलों ने इस वक्तव्य प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें प्रारंभिका स्कूल, डॉन बॉसको एकेडमी, सेंट जॉन एकेडमी, सेंट माइकल हाई स्कूल, सेंट पॉल हाई स्कूल, लोयोला हाई स्कूल, इन्फेंट जीसस स्कूल, सेंट जोसेफ कान्वेंट हाई स्कूल, नोट्रेडेम अकादमी तथा जीसस मेरी कान्वेंट स्कूल ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन दीप कुमार और स्मिता पास्कल ने किया।

इस प्रतियोगिता में नोट्रेडेम अकादमी को बेस्ट स्कूल अवार्ड दिया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और विजेताओं को ट्राफी दी गयी। प्रो० प्रीति सिन्हा, डॉ० सुशील बिलुंग, डॉ० थॉमस वर्गीस, फादर सेराफीम जॉन और सृष्टि ने बच्चों को ट्राफी और सर्टिफिकेट दिया। फादर सेराफिम जॉन ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए एलुमिनाई सदस्यों को बधाई दी और बच्चों का प्रोत्साहन किया कि वे हमेशा ऐसे प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आगे आये और कभी इस बात की चिंता न करे कि जीत उनकी होगी या नहीं। कार्यक्रम राष्ट्रगान के साथ समाप्त हुआ।

Memorial in loving memory of Fr. Jacob Muthuplackal

The College organised a memorial service in loving memory of late Fr. Jacob Muthuplackal, a retired faculty member of the college who left for his heavenly abode after a short illness on August 20, 2017, in Kerala. The memorial ceremony began with an introduction given by one of his disciples Mr. Deep Kumar. He narrated his experiences by saying that Fr. Jacob was his method teacher, guide and later a colleague. He said that Fr. Jacob was a man of discipline, values, hard work and a model. He was the best guide for me. Born on September 11, 1944, Fr. Jacob is remembered as a punctual and disciplined teacher who illuminated the lives of many students. He did his B.Ed. from SXCE in 1991, joined as a faculty member in 2001. He was nominated as the Vice-President of St. Xavier's College of Education Alumni Association and later as the President for three years. During the memorial service, Dr. Thomas Varghese paid homage to Fr. Jacob. A video clipping of his final was shown to the students on the occasion. Senior faculty member, Dr. Madhu Singh also described Fr. Jacob as a person of values, commitment and discipline. Clarence Peter, the first President of SXCE Alumni Association, Eric de Rozario, an executive member too shared their valuable experiences. The service came to an end with a prayer song and finally the College Anthem. Floral tribute to Fr Jacob too was given by the college fraternity.

शिक्षण अन्य सभी व्यवसायों की ओर ले जाता हैः शिक्षक दिवस

महाविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह की धूम 5 सितम्बर, 2017 को देखने को मिली। शिक्षकों के अथक प्रयासों और उनके काम को सम्मानित करने के लिए बी०एड० संकाय के प्रशिक्षुओं ने एक रंगारग कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के रेक्टर फादर सेराफिम जॉन, प्रधानाचार्य डॉ० थॉमस वर्गीस और सभी संकाय सदस्य उपस्ति थे।

कार्यक्रम एक सर्व धर्म प्रार्थना के साथ शुरू हुई। भावी शिक्षकों द्वारा आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वागत गीत, नगाड़े संग ढोल (डांडिया), 'मेरे मास्टर जी' एक लघु नाटिका, और रीमिक्स सम्मिलित थे। इस अवसर पर बोलते हुए फादर सेराफिम जॉन ने कहा कि शिक्षकों को उदाहरणों के साथ सिखाना होगा। शिक्षण व्यवसाय सभी अन्य व्यवसायें में से एक आदर्श व्यवसाय है। अपने संदेश में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ० थॉमस वर्गीस ने महाविद्यालय संकाय को समाज के लिए उनकी प्रतिबद्धता और समर्पित सेवा के लिए बधाई दी। उन्होंने भावी शिक्षकों से आह्वान किया कि समाज में बदलाव का कारण बने और लगातार समाज में ज्ञान का प्रकाश फैलाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। उन्होंने कहा, ''शिक्षक राष्ट्र निर्माण में मुख्य भूमिका निभाते हैं। शिक्षण ही एक एसा पेशा है जो अन्य सभी पेशों का मार्ग दर्शन करता है।''

Teachers are the Nation Builders: College Day

The College celebrated its 30th College day on 2nd December to mark the feast of our patron St Francis Xavier. The programme commenced with a prayer service invoking the blessings of God upon all the participants present on the occasion. The Chief Guest, Mr. Rajeev Ranjan, Controller of Examinations, Aryabhatta Knowledge University, Patna, Fr. John Seraphim, S.J., Rector of the College, Dr. Thomas Varghese, the Principal of the college, Fr. Thomas Karthanam ,S.J., Former Principal of the College and Dr. Madhu Singh lit the traditional lamp. The Principal welcomed the chief guest, associated school principals and the invited guests at the august gathering. The programme comprised of Swagatam Geet, Rajasthani Dance, Kazri Dance, Classical Dance, Punjabi Dance, Kawali, Santhali Dance, Lavani Dance and Chota Nagpuri Dance. A skit showing the life history of St. Francis Xavier was presented. Mr. Rajeev Ranjan in his address said that "the spirit of St. Francis Xavier should burn in every member of this college and the fruit of it should be seen in the development of the society. Passing an examination is not the only aim of studying in this college rather serving the nation by dedication and commitment. All that you have learnt in this college is for the development of the society and your learning should be for the mission."

The Chief Guest gave away the prizes for the Essay Competition conducted on 14th September on the occasion of Hindi Diwas. The topic of the Essay was "Education ought to be a kind of insurance against unemployment." Darakshan, Nidhi Singh, Arti Kumari, Roushan Kumar and Neel Kusum Sharan walked away with the prizes in different categories. Prizes were also given for the Extempore speeches conducted on Hindi Diwas where Priyanka Kumari, Shilpa Gupta, and Rakhi were declared as the winners.

Practice Teaching and Internship

Prospective teachers of St. Xavier's College of Education, Patna, had their four months long practice teaching and internship

from 17th August 2017 to 17th December 2017. They were divided into different groups and sent to 29 different Government as well as non-government schools in and around Patna associated with the college and approved by the DEO. This intensive first-hand school experience is a requirement of the course of study framed by the NCTE. During the internship, the faculty members of the college were with the prospective teachers to help and guide them. During these days, the Principal took his time out to visit the schools to motivate them in their learning by doing.

SXCEAA द्वारा क्रिसमस का जश्न

संत जेवियर्स शिक्षा महाविद्यालय एलुमिनाई एसोसिएशन के द्वारा संत जोसफ कान्वेंट गर्ल्स स्कूल के अनौपचारिक बच्चों के साथ एक रंगा–रंग क्रिसमस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संत जोसफ कान्वेंट गर्ल्स हाई स्कूल में इन बचचों को विशेष कोचिंग कक्षाओं के माध्यम से मार्गदर्शन दिया जाता है। अलग समूह के 50 से अधिक बच्चे यहाँ शाम को रोज पढ़ने आते हैं जिनसे किसी भी प्रक्रार की कोई फीस नहीं ली जाती है। सिस्टर मेबल ने कहा कि ये बच्चे किसी भी अच्छे शिक्षण संस्थान में शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों से कम नहीं है। ये बच्चे यहाँ पढ़ाई के साथ–साथ जीवन के मूल्यों और सही जीवन जीने की प्रेरणा पाते हैं। इन बच्चों ने एक छोटी क्रिसमस नाटिका प्रस्तुत किया और समूह में क्रिसमस गीत भी गए।

दीप कुमार, एलुमिनाई सचिव, ने सभी बच्चों को क्रिसमस का संदेश दिया और उपहार वितरित किया। उन्होंने अपने सन्देश में कहा कि क्रिसमस का सही अर्थ दूसरों के साथ सुख–दुःख साझा करना और उनके जीवन में खुशी लाना है।

एसोसिएशन के सदस्य दीप कुमार, सपना सुमन, एंजेला अंजना और एरिक डी रोजारियो कार्यक्रम में मौजूद थे। कुछ वर्त्तमान सत्र के प्रशिक्षुओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।ै ग्ब्।। समय–समय पर गरीब और समाज में हाशिए पर खड़े बच्चों के लिए तथा उनके जागरूकता के लिए कार्यक्रम करता है। यह शैक्षिक और सामाजिक कल्याण के लिए अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करता है।

Christmas Joy at SXCE

Both the departments of the College M.Ed. and B.Ed. joined together to celebrate Christmas in the college. The programme began with a meaningful prayer service thanking God for all the blessings received throughout the year in 2017.

Dr. Thomas Varghese, the Principal and the faculty members of the college came forward to light the ceremonial lamp in front of the beautifully decorated crib. A short but meaningful skit depicting the birth of Christ was presented by the B.Ed. trainees. It was based on social theme showing Jesus Christ becoming the source of salvation to all. It was followed by Christmas carols in different languages like English, Hindi, Bhojpuri, Sadari, Santhali, Magahi and ended with a Nagpuri dance. The programme came to an end with the blend of traditional and as well as modern concept.

Dr. Thomas Varghese in his message said that Christmas is a time of Love, Peace, and Joy. This is what the humble baby born in the stable Jesus gives to all of us. He teaches us to be humble, kind and polite to every student we meet in our day to day life. Christmas is time for sharing and celebrating.

Arrival of the Santa Clause brought joy and excitement on everyone's face. All the staff members and the students danced with joy on the rhythm of Jingle Bell. Everyone was given Christmas gift by Santa Clause during the gathering.

Published by Prof.(Fr.) Thomas Perumalil, S.J., Principal, St. Xavier's College of Education, Patna, E-mail: sxcepatna@gmail.com, Website: www.sxcepatna.edu.in,
Tel : 0612-2260253, Fax: 0612-2260253